कक्षा 5

संलग्नक । एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा सुझाई सीखने सिखाने की प्रक्रिया
एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा सुझाई सीखने सिखाने की प्रक्रिया
सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत , सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाएगा ताकि उन्हें
विभिन्न विषयों, स्थितियों, घटनाओं में अनुभवों, कहानियों कविताओं आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने सुनने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों ।
पुस्तकालय/कक्षा में अलग अलग तरह की कहानियाँ, कविताएं अथवा/बाल साहित्य, स्तरानुसार सामग्री, साइन-बोर्ड होर्डिंग अख़बारों की कतरने उनके आस पास के परिवेश में उपलब्ध हों और उन पर चर्चा करने के मौक़े हो ।
तरह तरह की कहानियों कविताओं पोस्टर आदि को चित्रों और संदर्भ के आधार पर समझने समझाने के अवसर उपलब्ध हों
सुनी, देखी, बातों को अपने तरीक़े से काग़ज़ पर उतरने के अवसर हों । ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी
ज़रूरत और संदर्भ के अनुसार अपनी भाषा गढ़ने (ने शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर उपलब्ध हों ।
एक दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उन पर अपनी राय देने, उनमें अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग अलग ढंग से लिखने के अवसर हों
आस पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं (जैसे - मेरे घर की चैट से सूरज क्यों नहीं दिखता? सामने वाले पेड़ पर बैठने वाली चिड़ियाँ कहाँ चली गईं ?) को लेकर प्रश्न करने, सहपाठियों से बातचीत या चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों ।
विषय वस्तु के संदर्भ में भाषा को बारीकियों और उसकी नियम्बद्ध प्रकृति को समझने और उनका प्रयोग करने के अवसर हों ।
नए शब्दों को चित्र शब्दकोश/शब्दकोश में देखने के अवसर उपलब्ध हों ।
अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे - गणित, विज्ञान,सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझने और उसका संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार इस्तेमाल करने के अवसर हों ।
पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील मुद्दों को समझने और उन पर चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों ।

संलग्नक II
मन - मानचित्रण(मैपिंग) कक्षा 5 हिन्दी विषय सी. बी. एस. सी. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल के साथ
सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं ।
अपने आस पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखित रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं ।
भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसका इस्तेमाल करते हैं ।
विविध प्रकार की सामग्री (जैसे - समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक बाल पत्रिका, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिंदुओं पर (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं, जैसे - 'ईदगाह कहानी पढ़ने के बाद बच्चा कहता है - मैं भी अपनी दादी की खाना बनाने में मदद करता हूँ ।
विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन पर लगाई जाने वाली सूचना, कार्यक्रम की रिपोर्ट, जानकारी आदि प्राप्त करने के लिए) के लिए पढ़ते और लिखते हैं ।
अपनी पाठयपुस्तक से इतर सामग्री (अख़बार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझते हुए पढ़ते और उसके बारे में बताते हैं ।
सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य साहसिक सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय वस्तु घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं/ अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं।
अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजते हैं ।
स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन को जाँचते हैं और उसमें बदलाव करते हैं, जैसे - किसी घटना की जानकारी के बारे में बताने के लिए स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना और किसी दोस्त को पत्र लिखना ।
भाषा की बारीकियों, जैसे - शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम विशेषण, जेंडर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं ।
भाषा की व्याकरणिक इकाइयों (जैसे - कारक चिन्ह, क्रिया, काल, विलोम आदि) की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं ।
विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिन्ह, जैसे - पूर्ण विराम, अलोप विराम, प्रश्नवाचक चिन्ह, उद्धरण चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते हैं ।

स्तरानुसार अन्य विषयों व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं ।
अपने आस पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर लिखित रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं ।
उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम - चिन्हों का उचित प्रयोग करते हुए लिखित हैं ।
पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिंदुओं पर लिखित/ब्रेल लिपि में अभिव्यक्ति करते हैं ।
अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्ण आदि लिखते हैं। कविता कहानी को आगे बढ़ते हुए लिखते हैं ।

संलग्नक III			
मन-मानचित्र (मैपिंग) कक्षा-5 - हिन्दी विषय सी. बी. एस. ई . द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल			
नोट - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम सीखने के प्रतिफल			
पाठ -1	**विषय**	**शिक्षण के लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**
पाठ 1 राख की रस्सी (तिब्बत की लोक कथा)	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों का पाठ के माध्यम से लोककथा सुनाते हुए ज्ञानवर्धन कराना ।	सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य,सामाजिक,साहसिक आदि विषयों पर आधारित कहानी,कविता आदि)की विषय वस्तु घटनाओं ,चित्रों और पात्रों शीर्षक आदि के बारे मैं बातचीत करते है /प्रश्न पूछते है /अपनी स्वतंत्रता टिप्पणी देते है /अपनी बात के लिए तर्क देते है /निष्कर्ष निकलते है ।
		पाठ के माध्यम से जीवन की सच्चाई से परिचित करना । बुद्धि से हर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है , भाव को समझाना।	
		विद्यार्थियों को होशियार और चालाक का फर्क बताना।	
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग २५ से ३० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। बुद्धि बल की चर्चा करते हुए बच्चे बारी बारी से पाठ के अंशों को पढ़ेंगे तथा धयानपूर्वक सुन कर भाव ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य - श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि।	
	वाचन कौशल का विकास	कथा वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। विद्यार्थी अपने जीवन की कोई घटना कक्षा में सुनाने में सक्षम होंगे ।	
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थियों द्वारा पाठ के भाव को समझते हुए एवं शुद्ध उच्चारण करते हुए कम से कम आठ से दस कठिन शब्दों को पढ़ने में सक्षम होना।	

		पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे। जैसे-हाज़िर जवाबी ,आपबीती, धरी आदि।	
	लेखन कौशल का विकास	विद्यार्थियों द्वारा अपनी होशियारी से हल की गई समस्याओं को लिख कर लेखन कौशल । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में कम से कम 5 से 6 नवीन शब्दों के अर्थ जानना एवं वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होना। जैसे-हाज़िर जवाबी ,आपबीती, धरी आदि।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - हिंदी लोक कथा और अन्य लोक कथाओं पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	बुद्धि से हर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है , भाव को समझाना तथा नैतिक मूल्य की सभी का साथ देना चाहिए के भाव को बढ़ाना।	

पाठ -2	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 2 फ़सलों के त्यौहार	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से फ़सलों से जुड़े त्यौहारो से परिचित कराना ।	

		पाठ के माध्यम से देश के विभिन्न प्रांतों मे मनाए जाने वाले विभिन्न त्यौहार के बारे में परिचित करना ।	भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसका इस्तेमाल करते हैं ।
		विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से परिचित कराना।	
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग २५ से ३० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ को ध्यान पूर्वक सुनना तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना| जैसे - बीहू का त्यौहार किस राज्य में मनाया जाता है? आदि पाठ के अंत में शुद्ध उच्चारण करने में सक्षम होना | पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड दृश्य-.श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना | जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि।	
	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । विद्यार्थी फ़सलों से जुड़े विभिन्न त्योहारों जैसे पोंगल , ओणम , मकर सक्रांति, लोहड़ी एवं अनाजों के बारे में कक्षा में चर्चा करेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	आपके घर मे जैसी भी खिचडी बनती है उसे ले करआए और उसकी प्रक्रिया लिखें । किसान की दिनचर्या की जानकारी प्राप्त करके उस पर लेखन कार्य करेंगे।	

		छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	पांच छह नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझकर उनसे वाक्य निर्माण में सक्षम होना । जैसे हैरानी करीना बुहारे सुस्ताने फरमाइश आदि पाठ के अंत में कम से कम पांच शब्दों के अर्थ बताने में सक्षम होंगे |	
	विभेदित मूल्याँकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्याँकन करना : परिचर्चा- अलग अलग प्रांतों के फ़सलों के त्योहारों पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी कठिन शब्दों के श्रुतलेख द्वारा	
	नैतिक मूल्य	पाठ के माध्यम से किसान के परिश्रम एवं अन्न के महत्व एवं उपयोगिता को समझने का भाव उत्पन्न करना।	

पाठ -3	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 3 खिलौने वाला - कविता	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से खिलौने के बारे मे परिचित कराना ।	उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम - चिन्हों का उचित प्रयोग करते हुए लिखित हैं ।
		पाठ के माध्यम से देश के भिन्न-भिन्न प्रकार के खिलौने के बारे मे परिचित करना । खिलौनों के माध्यम से विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच उत्पन्न करना ।	

	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग २५ से ३० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ को विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे | पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड दृश्य .श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि।	
	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । विद्यार्थी अपने-अपने खिलौनों के विषय में चर्चा करेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	अपने मनपसंद खिलौने के बारे मैं तथा उससे संबंधित कोई घटना लिख कर लेखन कौशल बढ़ाना । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	पांच छह नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझ कर वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे ।जैसे - सीटी , चाबी, लोटा, धनुष, साड़ी आदि ।	
	विभेदित मूल्याँकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्याँकन करना :- परिचर्चा- किन्हीं दो व्यवसायों पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी	

		कठिन शब्दों के श्रुतलेख द्वारा	
	नैतिक मूल्य	खिलौनों के माध्यम से विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच उत्पन्न करना । देश प्रेम की भावना को बढ़ाना।	

पाठ -4	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 4 नन्हा फनकार - कहानी	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को फनकार (कलाकारी में कुशल) शब्द से परिचित कराना । इच्छाशक्ति के महत्व पर बल देना और उससे प्राप्त सफलता से परिचित करवाना।	स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं, जैसे - किसी घटना की जानकारी के बारे में बताने के लिए स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना और किसी दोस्त को पत्र लिखना ।
		पाठ के माध्यम से देश के विभिन्न प्रांतो मे की जाने वाली हस्तकला के बारे मे परिचित कराना ।	
		विद्यार्थियों को भारतीय विभिन्न प्रकार की हस्तकलाओ से परिचित कराना । सीखना एक प्रक्रिया है जो जीवन पर्यन्त चलती है ,के भाव को समझाना। बड़े से बड़ा व्यक्ति छोटे से छोटा काम कर सकता है।इसके द्वारा समानता के भाव को स्पष्ट करना।	
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग २५ से ३० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। शिक्षक द्वारा सुनाए गए पाठ को ध्यान पूर्वक सुनेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड दृश्य .श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि।	

	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । अपने जीवन में घटित किसी घटना को सुनाएँगे ।	
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थी बारी-बारी से पाठ को पढ़ेंगे तथा शुद्ध उच्चारण करते हुए अर्थ समझेंगे। पठन कार्य करते समय विराम चिन्हों के महत्व को ध्यान में रखा जाएगा। छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	लेखन कौशल का विकास	अपने मनपसंद हस्तकारीगिरी के बारे मैं 5 से 6 पंक्तियां लिख कर लेखन कौशल बढ़ाना । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश की विकास	पांच छह नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझ पर वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे। जैसे चोकोर, उकेरना, कौतूहल आदि।	
	विभेदित मूल्याँकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्याँकन करना : परिचर्चा- हस्त कला और चित्र कला पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कठिन शब्दों के श्रुतलेख द्वारा प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	बड़े से बड़ा व्यक्ति छोटे से छोटा काम कर सकता है।इसके द्वारा समानता के भाव एवं नैतिक मूल्य का विकास करना।	

पाठ -5	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 5 जहाँ चाह वहाँ राह - लेख	सरल अन्वेषण	• विद्यार्थियों को जीवन मे मेहनत करना सिखाना । • पाठ के माध्यम से देश के विभिन्न प्रांतों मे कपड़े पर की जाने वाली हस्तकला के बारे मे परिचित कराना । • इच्छाशक्ति के महत्व को समझाना ।	अपने आस पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर लिखित रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं ।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग २५ से ३० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। • विद्यार्थी अध्यापक द्वारा पढ़ाए गए पाठ को ध्यान पूर्वक सुनेंगे तथा उसके अर्थ को समझेंगे। • पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड दृश्य- श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि।	
	वाचन कौशल का विकास	• पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । • इच्छाशक्ति की महत्ता के विषय में विद्यार्थी अपने विचार व्यक्त करेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को लेख के अनुसार सिलाई और कढ़ाई के बारे में जानकारी देते हुए शुद्ध उच्चारण एवं विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए पठन कार्य करवाना। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	

	लेखन कौशल का विकास	• लेख मे सिलाई और कभी से संबंधित कई शब्द आए हैं उनकी सूची बनाकर लेखन कौशल बढ़ाना । • पाठ पढ़ने के पश्चात अपनी सोच में आए बदलाव को लिखित रूप में प्रस्तुत करना। • छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कौशल का विकास	• कम से कम 8 से 10 नवीन शब्दों के अर्थ जानने में सक्षम होना । • जैसे लकीरें, पेंगे, चुनौतियाँ, प्रदर्शनी आदि	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : • चर्चा-दिव्यंगों की सहायता पर • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी • कठिन शब्दों के श्रुतलेख के द्वारा	
	नैतिक मूल्य	• जीवन में परिश्रम एवं इच्छाशक्ति के महत्व को समझाते हुए इस नैतिक मूल्य का विकास करना ।	

पाठ -6	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 6 चिट्ठी का सफर-लेख	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को पत्र-लेखन के बारे मे बताना ।	विविध प्रकार की सामग्री (जैसे - समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक बाल पत्रिका, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिंदुओं पर (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं, जैसे - 'ईदगाह कहानी पढ़ने के बाद बच्चा कहता है - मैं भी अपनी दादी की खाना बनाने में मदद करता हूँ ।
		पाठ के माध्यम से प्राचीन व नवीन पत्र वितरण के बारे मे परिचित कराना ।	
		विद्यार्थियों को पत्र को किस प्रकार लिखा जाता है उससे अवगत कराना ।	
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३० से ३५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। विद्यार्थी शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ को ध्यान पूर्वक सुनेंगे। पाठ विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड,दृश्य- श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना ।जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि।	
	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । विद्यार्थी कक्षा में पत्र भेजने के विभिन्न माध्यमों की चर्चा करेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थियों को लेख के अनुसार अपने संदेशों को दूसरों तक पहुँचाने के बारे मे जानकारी देना । विद्यार्थी अपने द्वारा लिखे हुए पत्रों को कक्षा में पढ़ेंगे। पाठ के अंत में विद्यार्थी कम से कम 8 से 10 शब्दों को शुद्ध रूप से पढ़ने में सक्षम होंगे। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	

	लेखन कौशल का विकास	लेख में पत्र संम्बधी सभी प्रकार की जानकारी देकर उनका लेखन कौशल बढ़ाना । विद्यार्थी को बधाई पत्र अथवा कोई भी अन्य पत्र लिखवा कर लेखन कौशल का विकास करना। छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में विद्यार्थी कम से कम 8 से 10 शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्याँकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : चर्चा- पत्र लेखन पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी कठिन शब्दों के श्रुतलेख के द्वारा	
	नैतिक मूल्य	नवीन खोजों के साथ-साथ पुरानी चीजों के महत्व को समझाते हुए विद्यार्थियों में इस नैतिक मूल्य का विकास करना।	

पाठ -7	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 7 डाकिये की कहानी कँवर सिंह की जुबानी	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को डाकिये के जीवन के बारे मे बताना ।	भाषा की व्याकरणिक इकाईयों (जैसे कारकचिन्ह ,क्रिया,काल,विलोम आदि)की पहचान करते है और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते है ।
		पाठ के माध्यम से कॅवर सिंह के जीवन के बारे मे परिचित कराना	
		विद्यार्थियों को कॅवर सिंह की ज़ुबानी डाकिये के जीवन मे घटित घटनाओं से अवगत कराना ।	
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३० से ३५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	

		विद्यार्थी शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ को ध्यान पूर्वक सुनेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । ऑडियो वीडियो के प्रयोग द्वारा श्रवण क्षमता में वृद्धि की जाएगी।	
	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । विद्यार्थी डाकिए द्वारा किए जाने वाले कार्यों की चर्चा कक्षा में करेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थियों को लेख के अनुसार डाकिये द्वारा किये जाने कार्यो के बारे मे जानकारी देना। विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए एवं विराम चिन्ह का ध्यान रखते हुए पठन कार्य करेंगे। पाठ के अंत में विद्यार्थी कम से कम 8 से 10 शब्दों को शुद्ध रूप से पढ़ने में सक्षम होंगे। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	लेख के माध्यम से बच्चो में संवाद कौशल पर चर्चा करके उनका लेखन कौशल बढाना । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	8 से 10 नवीन शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे । जैसे अंतर्देशीय, लिफाफा, तारीख, पोस्टकार्ड आदि।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना:	

		चर्चा-आधुनिक युग व पूर्वकाल के संदेश भेजने के साधनों पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी कठिन शब्दों के श्रुतलेख के द्वारा	
	नैतिक मूल्य	इस पाठ के माध्यम से अपने कार्य को पूरी निष्ठा एवं लगन के साथ पूर्ण करना एवं प्रसन्न रहने के भाव को समझाते हुए इस नैतिक मूल्य का विकास करना।	

पाठ -8	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 8 वे दिन भी क्या थे	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को डायरी लेखन के बारे मे बताना ।	सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य साहसिक सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय वस्तु घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं/ अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं।
		पाठ के माध्यम से बीते दिनो की प्रशंसा के बारे मे परिचित कराना ।	
		तकनीकी विकास की गति और परिवर्तन को देखते हुए आज से डेढ सौ साल बाद के स्कूलों के स्वरूप और शिक्षा के माध्यम की स्थिति के बारे में बताना ।	
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३० से ३५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। स्कूलों के बदलते स्वरूप और उस में प्रयोग होने वाले तकनीक की चर्चा करते हुए शिक्षक द्वारा पाठ का वाचन किया जाएगा तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक उसे सुनेंगे और उसके भाव को ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड दृश्य-.श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना एवं श्रवण क्षमता में वृद्धि करना।	

	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । विद्यार्थी शब्दों एवं भावों का ध्यान रखते हुए अपने विचार व्यक्त करेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थियों को विज्ञान कथा के अनुसार बचपन से बुढ़ापे तक के सफर के बारे में जानकारी देना। पाठ के अंत तक विद्यार्थी कम से कम 8 से 10 शब्द पढ़ने एवं उनके अर्थ समझने में सक्षम होंगे । जैसे - सामग्री ,मशीन, पर्दा चक्की आदि पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	लेख के माध्यम से बच्चों के बीते दिनो के बारे में लिख कर उनका लेखन कौशल को बढ़ाना । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	आठ दस नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने तथा वाक्य निर्माण में सक्षम होंगे । जैसे - सामग्री ,मशीन, पर्दा चक्की आदि	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : चर्चा- पढ़ाई के आधुनिक साधनों पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी	

	नैतिक मूल्य	प्राचीन शिक्षा प्रणाली को समझाते हुए आज के युग की शिक्षा के अनुरूप तकनीकों का प्रयोग करना, के भाव का विकास करना।	

पाठ -9	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 9 एक माँ की बेबसी- कवि कुवर नारायण	सरल अन्वेषण	माँ विषम से विषम परिस्थितियों में बच्चों का साथ देती है । इस पर बच्चों के साथ चर्चा करना ।	स्तरानुसार अन्य विषयों व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं ।
		कविता के माध्यम से बीते दिनो की खट्टी मीठी यादों से परिचित कराना ।	
		विद्यार्थियों को माँ के प्रेम से अवगत कराना ।	
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३० से ३५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। शिक्षक द्वारा सुनाई गई कविता को ध्यान पूर्वक सुनकर उसके भाव को समझना। कविता विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड दृश्य .श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी .पी. टी. ऑडियो, वीडियो आदि	
	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । विद्यार्थी सुर,ताल एवं लय से कविता का कक्षा में वाचन करेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थियों को माँ द्वारा बचपन में सुनाई गई कहानियो के बारे मे जानकारी देना।	

		पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे। पाठ के अंत में कम से कम 8 से 10 शब्दों को पढ़ने में सक्षम होंगे। जैसे घबराहट, बेबसी, छटपटाहट, निहारती, बेहतर आदि ।	
	लेखन कौशल का विकास	कविता के माध्यम से माँ की मीठी यादों के बारे में लिखें । माँ का जीवन में महत्व विषय पर अनुच्छेद लेखन करना। छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	आठ दस नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना । जैसे घबराहट, बेबसी, छटपटाहट, निहारती, बेहतर आदि ।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : चर्चा-दिव्यांग बच्चों पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी कविता की कुछ पंक्तियाँ सुनकर, दिए गए चित्र में से चीज़ों की पहचान करवाकर तथा सीखे गए नए शब्दों के श्रुतलेख द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा |	
	नैतिक मूल्य	माँ के प्रति आदर तथा सम्मान का भाव रखने के नैतिक मूल्य का विकास करना।	

पाठ -10	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 10 एक दिन की बादशाहत	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को बचपन मे बड़ों जैसा जीवन जीना सिखाना ।	विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन पर लगाई जाने वाली सूचना, कार्यक्रम की रिपोर्ट, जानकारी आदि प्राप्त करने के लिए) के लिए पढ़ते और लिखते हैं ।
		पाठ के माध्यम से बच्चों को एक दिन के लिए घरेलू परिस्थितियों से अवगत कराना ।	
		विद्यार्थियों को ज़िम्मेदारिओं से अवगत कराना ।	
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३० से ३५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। विद्यार्थी शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ को ध्यान पूर्वक सुनेंगे। पाठ विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड दृश्य .श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना ।	
	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । विद्यार्थी अपनी-अपनी इच्छाओं के एवं बातों के बारे में बताएँगे जो परिवार में पूर्ण नहीं हो पाती एवं जो आसानी से पूर्ण हो जाती हैं|	
	पठन कौशल का विकास	पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	यदि आपको एक दिन का विद्यालय का मुखिया बना दिया जाए तो आप क्या क्या बदलाव करेंगें उस पर अनुच्छेद लिखें । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	

	शब्द कोश का विकास	नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना । जैसे- पाबंदी, तकरार, तरकीब, ज़बरदस्ती आदि। पाठ के अंत में कम से कम 8 से 10 शब्दों के अर्थ संस्कृत के वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होना|	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : चर्चा- मौलिक अधिकारों पर लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी कठिन शब्दों के श्रुतलेख द्वारा	
	नैतिक मूल्य	पाठ के माध्यम से परिवार की परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को ढालना, के नैतिक मूल्य का विकास करना।	

पाठ -11	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 11 चावल की रोटियॉ- नाटक	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को बचपन के शौक पूरा करने के बारे मे बताना ।	अपनी पाठयपुस्तक से इतर सामग्री (अख़बार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझते हुए पढ़ते और उसके बारे में बताते हैं ।
		नाटक के माध्यम से चावल से विभिन्न प्रकार के पकवानो से परिचित कराना ।	
		विद्यार्थियों को चावल की रोटियॉ खाने की इच्छा से अवगत कराना ।	
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३५ से ४० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। शिक्षक द्वारा पढ़े जाने वाले पाठ को ध्यान पूर्वक सुनना एवं उसके भाव को समझना। नाटक विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड दृश्य .श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना ।	

	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । विद्यार्थी विभिन्न प्रकार केअन्न एवं पकवानों की कक्षा में चर्चा करेंगे ।	
	पठन कौशल का विकास	पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	नाटक के माध्यम से मनपसंद पकवान की विधि लिखवाकर उनका लेखन कौशल बढ़ाना । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	8 से 10 नवीन शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे। जैसे- खुशकिस्मती, ऐतराज, फूलदान, करंट, परीक्षा आदि	
	विभेदित मूल्याँकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : परिचर्चा-विभिन्न प्रान्तों के भिन्न-भिन्न पकवानों पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी कठिन शब्दों के श्रुतलेख द्वारा	
	नैतिक मूल्य	आपस में मिलजुल कर रहना एवं मिल बांट कर खाने के भाव को समझाते हुए इस नैतिक मूल्य का विकास करना ।	

पाठ -12	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 12 गुरू और चेला	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को सस्ती चीजो के बारे मे बताना । कविता के माध्यम से अन्धेर नगरी चौपट राजा की कहानी के अर्थ से परिचित कराना ।	भाषा की बारीकियों, जैसे - शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम विशेषण, जेंडर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं ।
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३५ से ४० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। शिक्षक द्वारा पढ़ाई गई कविता को ध्यान पूर्वक सुनना इसके भाव को समझना। कविता विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना ।	
	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । विद्यार्थी गुरु और शिष्य के मध्य संबंधों के चर्चा करेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थियों को गुरू और चेले के मुसीबत में फँसने की जानकारी देते हुए उनसे कविता का पठन कार्य करवाना। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२५ से ३० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे। जैसे- ढेला , गगरी , ग्वालिन , करतब , न्योता , झमेला आदि ।	
	लेखन कौशल का विकास	कविता के माध्यम से सस्ती चीजों के मिलने पर उस खुशी को अपने शब्दों मे लिख कर उनका लेखन कौशल बढाना । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	

	शब्द कोश का विकास	8 से 10 नवीन शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे | जैसे- ढेला , गगरी , ग्वालिन , करतब , न्योता , झमेला आदि ।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : चर्चा- अन्य कुछ इसी प्रकार की कहानियों पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी आया तो नहीं आ गया	
	नैतिक मूल्य	संकट के समय समझदारी से एवं बुद्धि से काम करने पर हर समस्या का समाधान निकल सकता है | इस नैतिक मूल्य का विकास करना	

पाठ -13	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-13 स्वामी की दादी	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को दादी की कहानियो के आनन्द के बारे मे बताना ।	विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिन्ह, जैसे - पूर्ण विराम, अलोप विराम, प्रश्नवाचक चिन्ह, उद्धरण चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते हैं ।
		कहानी के माध्यम से बच्चो को दादी पोते के मीठे रिश्ते से परिचित कराना ।	
		विद्यार्थियों को दादी के प्रेम से अवगत कराना ।	
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३५ से ४० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। विद्यार्थी शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ को ध्यान पूर्वक सुनेंगे और उसके भाव को समझेंगे । कहानी विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड दृश्य .श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना	
	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । विद्यार्थी अपनी मनपसंद कहानी कक्षा में सुनाएँगे ।	

	पठन कौशल का विकास	पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२५ से ३० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे। पाठ के अंत में कम से कम 8 से 10 शब्दों के अर्थ समझ कर वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे। जैसे परीक्षक, चकित , गंध , चेतावनी आदि ।	
	लेखन कौशल का विकास	कहानी के माध्यम से अपनी दादी के विषय मे लिखवा कर उनका लेखन कौशल बढ़ाना । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	8 से 10 नवीन शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे । जैसे परीक्षक, चकित , गंध , चेतावनी आदि ।	
	विभेदित मूल्याँकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : चर्चा- परिवार में बुजुर्गों के महत्व पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी कठिन शब्दों के श्रुतलेख द्वारा	
	नैतिक मूल्य	पाठ के माध्यम से सच्चाई के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की भावना एवं नैतिक मूल्य का विकास करना। दादी के प्रति प्रेम एवं सम्मान की भावना का विकास करना|	

पाठ -14	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-14 बाघ आया उस रात	सरल अन्वेषण	• विद्यार्थियों को पशुओं के जीवन के आनंद के बारे मे बताना । • कविता के माध्यम से बच्चों को पशुओं के पारिवारिक जीवन के आनंद से परिचित कराना । • विद्यार्थियों को पक्षियों की कहानी से अवगत कराना ।	पाठ्यपुस्तक और संदर्भ के अनुसार उसमे इतर सामग्री मे आये संवेदनशील बिंदुओं पर लिखित /ब्रेल लिपि में अभिव्यक्ति करते है ।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३५ से ४० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। • शिक्षक द्वारा सुनाई गई कविता को ध्यान पूर्वक सुनकर उसके भाव को समझेंगे । • कविता विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड एवं दृश्य-.श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना एवं श्रवण कौशल का विकास करना।	
	वाचन कौशल का विकास	पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा । जंगल के विभिन्न जानवरों की कक्षा में चर्चा की जाएगी। बच्चे अपने मनपसंद जानवर के विषय में कुछ पंक्तियां कक्षा में सुनाएंगे।	

	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थियों को पक्षियों द्वारा सभी ऋतुओं के आनंद के बारे मे जानकारी देना। कविता का भाव समझकर उसका पूरे सुर ,लय एवं ताल के साथ पठन करना। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२५ से ३० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• कविता के माध्यम से पशुओं का घर मे आने के कारण परअनुछेद लिखें । • छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	• 8 से 10 नवीन शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे जैसे- झरने, बाघिन, कॉलेज, पहरा, आगाह आदि	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : • चर्चा- पशु-पक्षियों के जीवन पर • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी • कठिन शब्दों के श्रुतलेख के द्वारा	
	नैतिक मूल्य	कविता के माध्यम से खतरों से सदैव सतर्क रहने एवं दूसरों को सतर्क करने के नैतिक मूल्य का विकास करना।	

पाठ -15	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-15 बिशन की दिलेरी	सरल अन्वेषण	• विद्यार्थियों को पक्षियों के प्रेम के बारे मे बताना । कहानी के माध्यम से पक्षियों पर हुए अत्याचारों से परिचित कराना । • विद्यार्थियों को पक्षियों के प्रति सहानुभूति से अवगत कराना ।	भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसका इस्तेमाल करते हैं । अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजते हैं ।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३५ से ४० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। • शिक्षक द्वारा पढ़ाई गए पाठ को ध्यान पूर्वक सुनकर उसके भाव समझना एवं ग्रहण करना। • कहानी विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड दृश्य-.श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना तथा श्रवण कौशल का विकास करना ।	
	वाचन कौशल का विकास	• पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों को पूर्व पठित अंश से जोड़ा जायेगा । • विद्यार्थी कक्षा में स्वयं की साहसिक घटना का वर्णन करेंगे ।	
	पठन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को बेबस पक्षियों के प्रति प्रेम की कहानियो के बारे मे जानकारी देना।	

		• विद्यार्थी पाठ का शुद्ध उच्चारण करते हुए पठन कार्य करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२५ से ३० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे। • • जैसे- कीटनाशक, छिड़काव, सीढ़ीनुमा, सुनहरे, छलांग, रौबदार आदि ।	
	लेखन कौशल का विकास	• कहानी के माध्यम से पक्षियों के विषय मे लिखवाकर उनका लेखन कौशल बढ़ाना । • छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	• 8 से 10 नवीन शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे । • जैसे- कीटनाशक, छिड़काव, सीढ़ीनुमा, सुनहरे, छलांग, रौबदार आदि ।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : • चर्चा- पशु पक्षियों से प्रेम और दया • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी • कठिन शब्दों के श्रुतलेख द्वारा	

	नैतिक मूल्य	• जानवरों के प्रति प्रेम एवं सहानुभूति की भावना एवं इस मूल्य का विकास करना । • स्वयं के आनंद के लिए दूसरों को कष्ट ना देने की भावना को विकसित करना।	

पाठ -16	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-16 पानी रे पानी	सरल अन्वेषण	• विद्यार्थियों को नदियों के सफर के बारे मे बताना । • लेख के माध्यम से पानी के संकट से परिचित कराना । • विद्यार्थियों को पानी की फ़िज़ूलखर्ची से अवगत कराना ।	अपनी कल्पना से कहानी ,कविता ,पत्र आदि लिखते हैं कविता कहानी को आगे बढ़ते हुए लिखते हैं ।
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३५ से ४० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। • शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ को ध्यान पूर्वक सुनकर एवं कक्षा में की गई चर्चा को समझ कर भाव ग्रहण करना| • लेख विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना एवं श्रवण कौशल का विकास करना ।	
	वाचन कौशल का विकास	• पाठ के पूर्व पठित अनुमान से विद्यार्थियों को पाठ से जोड़ा जायेगा । • पानी की आवश्यकता पर कक्षा में विद्यार्थियों के साथ चर्चा की जाएगी एवं विद्यार्थी अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को बाढ़ और सूखे के बारे मे जानकारी देते हुए पाठ का पठन कार्य कक्षा में करवाया जाएगा।	

		• पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२५ से ३० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• लेख के माध्यम से पानी को बचाने के विषय में लिखवाकर उनका लेखन कौशल बढ़ाना । • छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	• 8 से 10 नवीन शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे। • जैसे भूगोल, जल, चक्र, भूजल, खजाने, स्टेडियम, कारखाने, भंडार, जल स्रोत आदि।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • चर्चा-पानी के संचय के साधनों पर • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी • कठिन शब्दों के श्रुतलेख द्वारा	
	नैतिक मूल्य	• जल संरक्षण के प्रति सजगता एवं जल के फ़िज़ूलखर्ची को रोकने के भाव को विकसित करना।	

पाठ -17	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-17 छोटी सी हमारी नदी-कविता	सरल अन्वेषण	• विद्यार्थियों को ऋतुओं के अनुसार नदियों के स्वरूप के बारे मे बताना । • कविता के माध्यम से नदियों के टेढे-मेढे जीवन से परिचित कराना । • विद्यार्थियों को पानी में रहने वाले जंतुओं से अवगत कराना ।	भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसे अपने लेखन में शामिल करते है ।
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३५ से ४० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। • शिक्षक द्वारा पढ़ाई गई कविता को ध्यान पूर्वक सुनकर उसके भावों को समझना| • कविता विस्तार में सहायक-, स्मार्ट बोर्ड दृश्य-.श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना एवं श्रवण कौशल का विकास करना । • जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि।	
	वाचन कौशल का विकास	• पाठ के पूर्व पठित अनुमान से विद्यार्थियों को पाठ से जोड़ा जायेगा । • हमारे देश में बहने वाली विभिन्न नदियों के विषय में चर्चा करना।	
	पठन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को बाढ़ और सूखे के बारे मे जानकारी देते हुए एवं पूरे सुर , लय एवं ताल के साथ कविता का पठन करवाया जाएगा ।	

		• पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२५ से ३० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे। •	
	लेखन कौशल का विकास	कविता के माध्यम से पानी को बचाने के उपाय लिखें । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	• 8 से 10 नवीन शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे । • जैसे बालू, डंगर, सघन, आषाढ़ आदि| • कविता में प्रयुक्त पुनरुक्त शब्द ,पर्यायवाची शब्द ,योजक शब्द व नुक्ता शब्द खोज कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे जिससे छात्रों के शब्द कोश में विकास होगा	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • चर्चा-अन्य कविताओं पर • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी • कठिन शब्दों के श्रुतलेख के द्वारा	
	नैतिक मूल्य	• देश की नदियों के घटते जल स्तर के कारणों को समझते हुए उसे बचाने में अपना योगदान देने की भावना का विकास करना एवं इस नैतिक मूल्य को विकसित करना। • जल की फ़िज़ूलखर्ची ना करने की सोच को विकसित करना।	

पाठ -18	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 18 चुनौती हिमालय की-यात्रा वर्णन	सरल अन्वेषण	• विद्यार्थियों को पर्वतारोहण में आने वाली कठिनाइयों के बारे मे बताना । • लेख के माध्यम से पर्वतों के आकार के बारे मे परिचित कराना । • विद्यार्थियों को हिमालय पर्वत की कहानी से अवगत कराना ।	विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिन्ह, जैसे - पूर्ण विराम, अलोप विराम, प्रश्नवाचक चिन्ह, उद्धरण चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते हैं ।
	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ३५ से ४० शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। • शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पहाड़ को ध्यान पूर्वक सुनकर समझ के भावों को ग्रहण करना • लेख विस्तार में सहायक स्मार्ट बोर्ड एवं दृश्य .श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना। जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि।	
	वाचन कौशल का विकास	• पाठ के पूर्व पठित अनुमान से विद्यार्थियों को पाठ से जोड़ा जायेगा । • विद्यार्थी शिक्षा में हिमालय से संबंधित विभिन्न बातों की चर्चा करें जैसे हिमालय से प्राप्त होने वाली औषधियाँ, हिमालय से बहने वाली नदियाँ आदि।	
	पठन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को सभी पर्वतों के बारे मे जानकारी देना।	

		• पाठ के भाव को समझते हुए एवं शब्दों के शुद्ध उच्चारण करते हुए विराम चिन्हों का उचित उपयोग करते हुए विद्यार्थी पठन कार्य करेंगे एवं पठन कौशल विकसित करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम पाँच वाक्य(२५ से ३० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• पर्वतारोहण में किन किन वस्तुओं की जरूरत पड़ती है उसे लिखेंगे जिससे छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा । छात्र पांच प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में जिसमें चार पांच जटिल शब्द भी होंगें लिख पायेगें।	
	शब्द कोश का विकास	• 8 से 10 नवीन शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग करने में सक्षम होंगे तथा पाठ में प्रयुक्त पुनरुक्त शब्द ,पर्यायवाची शब्द ,योजक शब्द व नुक्ता शब्द खोज कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे जिससे छात्रों के शब्द कोश में विकास होगा	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : • चर्चा- हिमालय पर • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी • कठिन शब्दों के श्रुतलेख के द्वारा	
	नैतिक मूल्य	• पाठ के माध्यम से विद्यार्थी मार्ग में आने वाली किसी भी कठिनाई का डटकर सामना करने की एवं मुसीबत मे हिम्मत ना हारने की भावना एवं नैतिक मूल्य का विकास करना	